आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 230 | उज्जैन, गुरुवार 10 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

प्रदेश की लाड़ली बहनों को 12 जुलाई को मिलेगी राशि-मुख्यमंत्री

म.प्र. की तरह जेएनयू में भी अब कुलगुरु के नाम से जाने जायेंगे कुलपति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लाडली बहनों के खाते में 12 जुलाई को राशि अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगले माह अगस्त में रक्षाबंधन के अवसर पर लाड़ली बहना योजना के तहत वर्तमान में दी जा रही मासिक आर्थिक सहायता राशि के साथ 250 रूपए की विशेष सहायता राशि भी अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की करीब 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार के एक नवाचार को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भी अपना लिया है। मध्यप्रदेश की तरह जेएनयू दिल्ली में भी कुलपति अब कुलगुरु के नाम से जाने जाएंगे। जेएनयू ने मध्यप्रदेश से प्रेरणा लेकर यह कदम उठाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को है। इस दिन प्रदेश के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालय में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में जिले के प्रभारी मंत्री भी प्रमुखता से शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक, गुरुजन एवं साधु संतों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भोपाल शहर में (कमला नेहरू स्कूल) सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीआरटीएस हटाने से बड़े ही सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि बीआरटीएस हटने से हादसों में 51 प्रतिशत और हादसों की वजह से मृत्यु में 70 प्रतिशत तक की कमी आई है। यह मध्यप्रदेश सरकार के जनहित में लिए गए निर्णयों के सुचारू क्रियान्वयन का सुखद परिणाम है। उन्होंने बताया कि सरकार ने जनवरी 2024 में बीआरटीएस हटाने का निर्णय लिया था।

महाराष्ट्र में गिग वर्कर्स की होगी बल्ले-बल्ले, फडणवीस के मंत्री ने किया बड़ा एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेजॉन और फ्लिपकार्ट पर ऑर्डर करने से लेकर जोमैटो और स्विगी से खाना मंगाना आजकल काफी आम हो गया है। फोन पर एक क्लिक करो और आपकी मुंह मांगी चीज आपके गेट पर पहुंच जाती है। इन्हें लाता कौन है? डिलीवरी बॉय, जिसको हम गिग वर्कर भी कह सकते हैं।

देश में बढ़ते ऑनलाइन ट्रेंड के साथ गिग वर्कर्स की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। मगर क्या आपको पता है कि गिग वर्कर्स की नौकरी कितनी मुश्किल होती है? वहीं, अब महाराष्ट्र सरकार उनके लिए नया कानून लाने पर विचार कर रही है।

श्रम मंत्री ने किया एलान- महाराष्ट्र सरकार के श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने मंगलवार एलान किया कि वो जल्द ही गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा कानून लाने वाले हैं। जोमैटो जैसी कंपनियों को इसकी सख्त जरूरत है।

आकाश फुंडकर के अनुसार, गिग वर्कर्स के लिए एक कानून बनाने की जरूरत है। इसके लिए ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा मिल सके। राज्य सरकार गिग वर्कर्स के साथ है।

नए कानून की जरूरत क्यों- सर्दी, गर्मी, धूप और बरसात में गिग वर्कर्स लोगों तक पहुंचते हैं।

राजस्थान के चूरू में लड़ाकू विमान जगुआर क्रैश, दो पायलटों की मौत

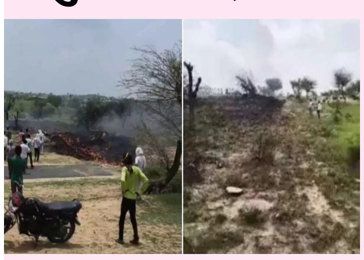

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के चुरू में बड़ा विमान हादसा हो गया है। रतनगढ़ में अचानक वायुसेना का एक फाइटर प्लेन क्रैश हो गया। यह हादसा भानुदा गांव में देखने को मिला है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, इस हादसे में 2 पायलटों की मौत हो गई है।

प्लेन क्रैश के बाद आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई है। प्लेन क्रैश की सूचना मिलते ही राजलदेसर पुलिस थाने का एक दल भी मौके पर रवाना किया गया था।

रक्षा सूत्रों ने दी जानकारी- समाचार एजेंसी एएनआई ने रक्षा सूत्रों के हवाले से घटना की जानकारी दी। इसके अनुसार, हादसे का शिकार हुआ विमान भातीय वायुसेना का जगुआर फाइटर प्लेन था। हादसे की वजह का पता लगाया जा रहा है।

भारतीय वायुसेना ने भी इस हादसे की पुष्टि कर दी है। IAF के अनुसार, यह हादसा रूटीन ट्रेनिंग मिशन के दौरान हुआ, जब चुरू के पास सेना का जगुआर एअरक्राफ्ट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे की वजह अभी सामने नहीं आई है।

कौन है मोनिका कपूर जिसे CBI ने अमेरिका में किया गिरफ्तार? 25 साल से चल रही थी फरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की कथित आर्थिक अपराधी मोनिका कपूर को अमेरिका से भारत लाया जा रहा है। मोनिका 25 साल पहले जांच एजेंसियों को चकमा देकर विदेश भागी थीं। वहीं, अब सीबीआई मोनिका का प्रत्यर्पण करवाने में कामयाब रही। सीबीआई के अधिकारी आज (बुधवार) की रात तक मोनिका को लेकर भारत पहुंच जाएंगे।

केंद्रीय जांच ब्यूरो के अधिकारियों ने मोनिका को हिरासत में लिया और उसे लेकर अमेरिकन एअरलाइंस की फ्लाइट में बैठ गए हैं। यह फ्लाइट आज रात को नई दिल्ली में लैंड होगी। कोर्ट ने दी प्रत्यर्ण को मंजूरी

दरअसल भारत और अमेरिका के बीच प्रत्यर्ण संधि हुई थी, जिसके तहत अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित जिला न्यायालय (ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट) ने मोनिका के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी। विदेश सचिव मार्को रुबियो ने भी मोनिका के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया था।

मोनिका का दावा खारिज- हालांकि, मोनिका का दावा था कि प्रत्यर्पण के बाद भारत में उसके साथ बुरा बर्ताव होगा और यह संयुक्त राष्ट्र के यातना विरोधी कन्वेंशन का उल्लंघन होगा। मगर, विदेश सचिव ने मोनिका के दावों को खारिज करते हुए प्रत्यर्ण को मंजूरी दे दी थी।

मोनिका पर क्या हैं आरोप- बता दें कि मोनिका कपूर पर 1999 में भारत सरकार के साथ फ्रॉड करने का आरोप है। मोनिका ने अपने दो भाईयों राजीव खन्ना और राजन खन्ना के साथ मिलकर ज्वैलरी के बिजनेस के फर्जी दस्तावेज तैयार किए। इन दस्तावेजों को दिखाकर मोनिका ने भारत सरकार से कच्चे माल के शुल्क मुक्त आयात का लाइसेंस ले लिया था।

नहीं थम रही MNS कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी, अब वाशिम में टोल प्लाजा पर तोड़फोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में राज ठाकरे के MNS कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी थमने का नाम नहीं ले रही है। मराठी भाषा को लेकर हमलावर हुए MNS कार्यकर्ताओं ने अब एक टोल प्लाजा को निशाना बनाया है। उन्होंने टोल बूथ को बुरी तरह से क्षति पहुंचाई है। वहीं MNS ने भी कार्यकर्ताओं की इस हरकत को सही ठहराया है।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने महाराष्ट्र के वाशिम में बने टोल बूथ पर जमकर तोड़फोड़ मचाई, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है।

यह घटना टोंडगांव टोल बूथ की है, जहां MNS कार्यकर्ताओं ने रॉड से हमला करते हुए टोल बूथ पर लगे कांच तोड़ दिए। स्ब्ह के जिला अध्यक्ष राजू पाटिल ने भी इस हरकत का समर्थन किया है। उनका कहना है कि टोल प्लाजा अभी पूरी तरह से बनकर तैयार नहीं हुआ था, लेकिन इसे चालू कर दिया गया।

टोल बूथ को तोड़ने का कारण यह है कि अभी यहां कोई भी सुविधा मौजूद नहीं है। इसलिए हमने कई बार मेमोरैंडम की भी मांग की। टोल बूथ से कनेरगाव को जोड़ने वाली सड़क भी अभी बनकर तैयार नहीं हुई है। हालांकि, टोल बूथ पर लोगों से टोल वसूला जा रहा है।

बता दें कि, MNS पिछले काफी दिनों से गलत वजहों को लेकर चर्चा में है। MNS कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने वालों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। इसी कड़ी में कार्यकर्ताओं ने पहले एक दुकानदार पर थप्पड़ों की बरसात कर दी, तो वहीं बाद में बिजनेसमैन सुशील केडिया के दफ्तर पर ईंट-पत्थर से तोड़फोड़ मचाई थी।

राजनीति से संन्यास लेने के बाद क्या करेंगे अमित शाह? गृह मंत्री ने बता दिया अपना रिटायरमेंट प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमारे देश में राजनेताओं के रिटायरमेंट को लेकर हमेशा चर्चा होते रहती है। हालांकि, देश की राजनीति में रिटायरमेंट की कोई समय सीमा नहीं है। संविधान के मुताबिक, कोई व्यक्ति किसी भी उम्र तक चुनाव लड़ सकता है। हालांकि, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपना रिटायरमेंट प्लान बता दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने अपना फ्यूचर प्लान भी जाहिर कर दिया है। उन्होंने कहा है कि मैंने तय किया है कि जब भी रिटायर हो जाऊंगा, तो मैं बाकी का जीवन प्राकृतिक खेती के काम में लगा दूंगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति से की भेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वर्तमान में ब्राज़ील की राजधानी ब्रासीलिया की राजकीय यात्रा पर हैं। श्री मोदी ने आज ब्रासीलिया के अल्वोराडा पैलेस में ब्राज़ील के राष्ट्रपति, महामहिम लुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा से भेंट की। राष्ट्रपति लूला ने श्री मोदी का उनके आगमन पर गर्मजोशी से मेजबानी की और उनका भव्य तथा रंगारंग औपचारिक स्वागत किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति लूला ने सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर के प्रारूपों में वार्ता की और भारत तथा ब्राज़ील के बीच बहुआयामी महत्वपूर्ण साझेदारी के सभी पहलुओं पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने उन साझा मूल्यों की पुष्टि की जो भारतङ्कब्राज़ील के मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंधों का आधार हैं। दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वास्थ्य और औषधि, अंतरिक्ष, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढाँचे के विकास, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे और यूपीआई, पारंपरिक चिकित्सा, योग, खेल संबंध, संस्कृति और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंधों के क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों, नई और उभरती प्रौद्योगिकियों, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और सुपर कंप्यूटर, डिजिटल सहयोग और गतिशीलता जैसे सहयोग के नए क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों की खोज पर भी चर्चा की।

दोनों नेताओं ने व्यापार और वाणिज्यिक मामलों पर चर्चा के लिए एक मंत्रिस्तरीय व्यवस्था की स्थापना का स्वागत किया। उन्होंने भारतङ्कमर्कोसुर अधिमान्य व्यापार समझौते के विस्तार सहित द्विपक्षीय व्यापार को मज़बूत करने पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने अगले पाँच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा। दोनों नेताओं ने ऊर्जा क्षेत्र में चल रहे सहयोग का जायजा लेते हुए निवेश के अवसरों का पता लगाने पर सहमति व्यक्त की क्योंकि दोनों देशों में हाइड्रोकार्बन के साथङ्कसाथ नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में अपार संभावनाएँ उपस्थित हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के बाद भारत के साथ प्रदर्शित की गई एकजुटता और समर्थन के लिए ब्राज़ील का धन्यवाद किया। यह आतंकवाद के सभी स्वरूपों और अभिव्यक्तियों का मुकाबला करने के लिए दोनों देशों की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि आतंकवाद को कतई बर्दाश्त ना करने की नीति होनी चाहिए और ऐसे अमानवीय कृत्यों को बढ़ावा देने वालों से कड़ाई से निपटा जाना चाहिए। राष्ट्रपति लूला इस बात पर सहमत हुए कि दोनों देशों को आतंकवाद से लड़ने और उसे हराने के लिए वैश्विक समुदाय के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाकर गलती कर गए शहबाज? पाकिस्तान में तख्तापलट की आहट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की सियासत में एक बार फिर हलचल मच गई है। मुल्क की फौज और सियासी गलियारों में चर्चा है कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर एक बड़ा खेल खेलने की तैयारी में हैं।

कयासों का बाजार गर्म है कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को हटाकर सत्ता की बागडोर अपने हाथों में ले सकते हैं। लेकिन क्या पाकिस्तान एक और फौजी तख्तापलट की कगार पर है? आइए, इसकी तह तक चलते हैं।

पिछले कुछ हफ्तों में कई ऐसी घटना हुई, जिन्होंने इन अफवाहों को हवा दी है। देश के माहौल में तनाव और सियासी बयानबाजी ने इन चर्चाओं को और तेज कर दिया है। आखिर क्या है इस सियासी तूफान का सच? क्या भारत का पड़ोसी मुल्क एक बार फिर सत्ता के नए दौर में कदम रखने जा रहा है?

शहबाज को छोड़ मुनीर से मिले थे डोनाल्ड ट्रंप- पाकिस्तानी सरकार ने मई में एक चौंकाने वाला फैसला लिया। जनरल असीम मुनीर को फील्ड मार्शल की रैंक दी गई। ये पाकिस्तान के इतिहास में दूसरी बार हुआ, जब किसी मिलिट्री अफसर को ये रैंक मिला हो। इससे पहले जनरल अयूब खान ने 1959 में खुद को फील्ड मार्शल बनाया था। तब पाकिस्तान की हुकूमत फौज के हाथों में थी।

मुनीर की इस तरक्की पर सवाल उठे थे। ये ऐलान भारत की ऑपरेशन सिंदूर के बाद आया था। वहीं जून में जनरल मुनीर ने अमेरिका का दौरा किया और वहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। ये मुलाकात अपने आप में अनोखी थी, क्योंकि पहली बार किसी पाकिस्तानी अफसर को व्हाइट हाउस में बुलाया गया था।

पाकिस्तानी फौज ने अफगानिस्तान से घुसपैठ कर रहे 8 उग्रवादियों को मार गिराया, गोलीबारी में मासूम बच्चा जख्मी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी सिक्योरिटी फोर्स ने अफगानिस्तान के कुनार सूबे से खैबर पख्तूनख्वा में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 8 मिलिटेंट को मार गिराया।

यह कार्रवाई बाजौर जिले के लोई ममुंड तहसील में हुई। जहां खुफिया एजेंसियों को खबर मिली थी कि फितना यानी गैरकानूनी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के लोग सरहद पार करने की फिराक में हैं।

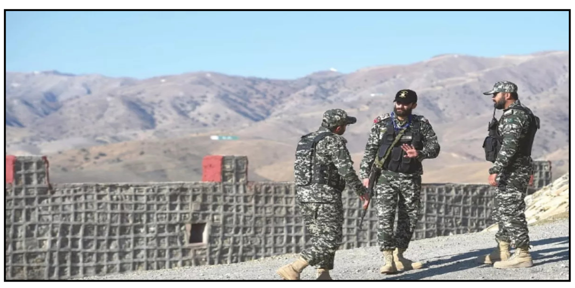

क्रॉसफायर में बच्चा जख्मी, इलाज जारी- इस गोलीबारी में एक मासूम बच्चा भी जख्मी हो गया। उसे फौरन लरखोलोजो हॉस्पिटल में प्राथमिक इलाज दिया गया, जिसके बाद उसे बेहतर इलाज के लिए खार के डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया। बच्चे की हालत अब स्थिर बताई जा रही है।

हालांकि पाक फौज के मीडिया सेल, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन स्थानीय लोगों ने इलाके में कई घंटों तक चली तीखी झड़पों की पुष्टि की है। लोगों ने बताया कि गोलीबारी की आवाजें दूर-दूर तक सुनाई दीं।

यह कार्रवाई पिछले हफ्ते खार तहसील में हुए एक खतरनाक बम धमाके के बाद आई है, जिसमें 2 जुलाई को एक सरकारी गाड़ी को निशाना बनाया गया था। उस हमले में पाकिस्तानी असिस्टेंट कमिश्नर और तहसीलदार समेत पांच लोग मारे गए थे, जबकि 17 लोग जख्मी हुए थे, जिनमें चार पुलिसवाले शामिल हैं।

दवाइयों पर 200 प्रतिशत और तांबे पर लगा सकते हैं 50 प्रतिशत टैरिफ, ट्रंप ने कर दिया बड़ा एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह आयातित सेमीकंडक्टर, दवाइयों और तांबे पर टैरिफ की घोषणा करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि दवाओं के लिए टैरिफ की दर 200 प्रतिशत तक हो सकती है।

तांबे पर टैरिफ कब से लागू होगा अभी तारीख तय नहीं- उन्होंने कहा कि तांबे पर वह 50 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा करेंगे, जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों, सैन्य हार्डवेयर, पावर ग्रिड और कई उपभोक्ता वस्तुओं के लिए महत्वपूर्ण इस धातु का अमेरिका में उत्पादन को बढ़ावा देना है।

बहुत-बहुत अधिक दर से टैरिफ लगाया जाएगा- ट्रंप- व्हाइट हाउस में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, अगर उन्हें देश में दवाइयां लानी हैं, तो उन पर बहुत-बहुत अधिक दर से टैरिफ लगाया जाएगा, जैसे 200 प्रतिशत। हम उन्हें अपने काम को व्यवस्थित करने के लिए एक निश्चित समय देंगे। उन्हें एक-डेढ़ वर्ष का समय दिया जाएगा।

ट्रंप ने तांबे पर टैरिफ की घोषणा करने की योजना के बारे में तो बताया, लेकिन यह नहीं बताया कि टैरिफ कब से लागू होगा।

आतंकवाद में दोहरे मापदंडों की जगह नहीं, ब्राजील से पीएम मोदी का संदेश- इस लड़ाई में हमारी समान सोच

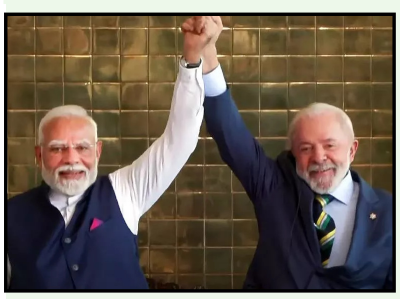

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए ब्राजील पहुंचे थे। ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया से पीएम मोदी ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत और ब्राजील का रुख एक जैसा है। दोनों देश आतंकवाद के लिए जीरो टॉलरेंस और जीरे डबल स्टैंडर्ड्स की नीति फॉलो करते हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और पीएम मोदी की मुलाकात के बाद एक ज्वाइंट स्टेटमेंट सामने आई है। इसके अनुसार, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमारा दृष्टिकोण समान है। शून्य सहिष्णुता और शून्य दोहरा मापदंड। दोनों देशों का मानना है कि आतंकवाद के मामले में दोहरे मापदंड की कोई जगह नहीं है। हम आतंकवाद और इसका समर्थन करने वालों का कड़ा विरोध करते हैं।

पहलगाम हमले की निंदा- राष्ट्रपति लुइज ने बैठक के दौरान 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर में हुए पहलगाम हमले की भी निंदा की, जिसके लिए पीएम मोदी ने उनका शुक्रिया अदा किया।

जहां दिखें गोली मार दो..., क्या बांग्लादेश में शेख हसीना ने दिए थे शूट एट साइट के ऑर्डर? पूर्व पीएम का ऑडियो मैसेज लीक

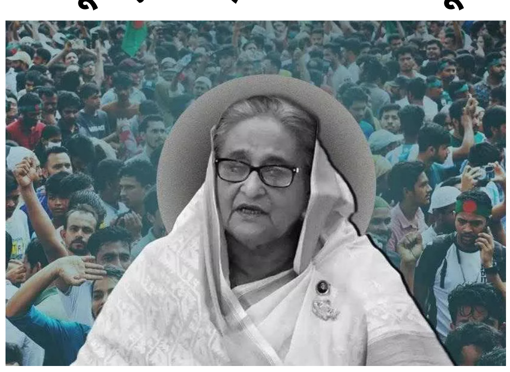

नई दिल्ली (एजेंसी)। 5 अगस्त 2024...यह वही तारीख है, जब बांग्लादेश में तख्तापलट हुआ और तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को मुल्क छोड़कर भागना पड़ा। छात्रों के धरना प्रदर्शन से शुरू हुआ यह खेल सियासी खेमे तक कैसे पहुंचा? यह सवाल आज भी राज बना हुआ है। इसके पीछे कई एंगल निकलकर सामने आते हैं। वहीं, अब शेख हसीना के कथित लीक ऑडियो ने सभी को चौंका कर रख दिया है।

बीबीसी के अनुसार, यह लीक ऑडियो शेख हसीना के फोन से मिला है, जिसे बीबीसी आई ने वैरिफाई भी किया है। इस ऑडियो को लेकर दावा किया जा रहा है कि शेख हसीना ने ही बांग्लादेश में शूट एट साइट का ऑर्डर दिया था।

ऑडियो में शेख हसीना ने क्या कहा- शेख हसीना का यह ऑडियो इसी साल मार्च में सामने आया था। इसमें वो सुरक्षा बलों को फोन पर खतरनाक हथियार इस्तेमाल करने के लिए कह रही हैं। शेख हसीना ने आदेश दिया कि वो (प्रदर्शनकारी) जहां भी दिखें उन्हें गोली मार दो।

ऑडियो को अदालत में पेश करने की तैयारी बांग्लादेश की स्पेशल कोर्ट में शेख हसीना के खिलाफ ट्रायल चल रहा है। ऐसे में यह ऑडियो शेख हसीना के खिलाफ बड़ा सबूत बन सकता है। दावा किया जा रहा है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार इस ऑडियो को अदालत में शेख हसीना के खिलाफ पेश करने की तैयारी में जुटी है।

1,400 लोगों की हुई थी मौत- संयुक्त राष्ट्र के जांचकर्ताओं के अनुसार, बांग्लादेश में तख्तापलट के दौरान हुई हिंसा में 1,400 से ज्यादा लोग मारे गए थे। शेख हसीना बांग्लादेश छोड़ने पर मजबूर हो गई थीं।

पाकिस्तान की पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी बीच इंटरव्यू में हुईं शर्मिंदा

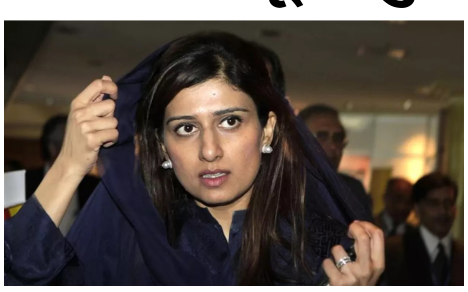

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान को लेकर ये बात तो जगजाहिर है कि वह आतंक को खाद-पानी देता है। एक बार फिर दुनिया के सामने पाकिस्तान का काला चेहरा सामने आ गया है। इसके बावजूद पड़ोसी देश मानने को तैयार नहीं है कि वह आतंकियों को पनाह देता रहा है और वहां की सरकार इसको शह देती रही है।

इस बीच पाकिस्तान की पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार को अल जजीरा के लाइव इंटरव्यू में उस वक्त शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा, जब उन्होंने एक वैश्विक आतंकी को आम आदमी बताने की कोशिश की।

हिना ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों की नमाज-ए-जनाजा पढ़ने वाले हाफिज अब्दुर रऊफ को बेगुनाह बता दिया, लेकिन पत्रकार ने तथ्यों के साथ उनकी बोलती बंद कर दी। इसके बाद सोशल मीडिया पर हिना की खूब किरकिरी हुई।

आतंकी के बचाव में क्या बोलीं हिना रब्बानी- हिना ने दावा किया कि हाफिज अब्दुर रऊफ कोई आतंकी नहीं, बल्कि एक आम पाकिस्तानी है। उन्होंने कहा, मैं पूरी जिम्मेदारी और सबूतों के साथ कह रही हूं कि यह वह शख्स नहीं, जिसे भारत आतंकी बता रहा है। पाकिस्तान में लाखों अब्दुर रऊफ हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान के जिस एयर डिफेंस सिस्टम को कर दिया तबाह, ईरान ने वही HQ-9B चीन से लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल से तनाव के बीच ईरान ने चीन के HQ-9B एयर डिफेंस सिस्टम पर भरोसा जताया है और इसको इमरजेंसी में एयरलिफ्ट किया गया है। ये वही एयर डिफेंस सिस्टम है, जिस पर पाकिस्तान ने भी भरोसा किया था लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने इसको तबाह कर दिया था और आतंकी देश की जमकर पिटाई की थी।

रिपोर्टों से पता चलता है कि हाल के हफ्तों में दो चीनी मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट ईरान पहुंचे हैं और लॉन्ग रेंज सरफेस-टू-सरफेस मिसाइल सिस्टम पहुंचाए गए हैं। पूरी संभावना है कि ये एचक्यू-9बी एयर डिफेंस सिस्टम है। इसे आधुनिक लड़ाकू विमानों और क्रूज मिसाइलों के हमलों से बचने के लिए डिजाइन किया गया है।

चीन ने ईरान को क्यों दिया एचक्यू-9बी- दरअसल, ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध लगा हुआ है और वो नकद भुगतान नहीं कर सकता है। ऐसे में ये सौदा तेल के बदले हुआ है। ईरान चीन को तेल देगा, जिसके जरिए इस सौदे की रकम भरी जाएगी। एक तरफ ईरान से सस्ते दामों में तेल लेकर चीन अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा तो दूसरी तरफ अपने हथियारों को मिडिल ईस्ट में बेचकर अपनी पकड़ भी मजबूत करेगा। इसके अलावा पाकिस्तान में नाकाम हुए इस एयर डिफेंस सिस्टम की दुनिया में साख गिरी है, ऐसे में ईरान को सप्लाई करके चीन अपनी टेक्नोलॉजी की विश्वसनीयत फिर से कायम करना चाहता है।

हैदराबाद में मिलावटी ताड़ी पीने से शख्स की मौत और 15 अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में मिलावटी ताड़ी पीने से एक शख्स की मौत हो गई और 15 लोगों की हालत खराब है। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक की पत्नी ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है।

यह मामला हैदराबाद के कुकटपल्ली क्षेत्र का है। मजदूरी करने वाले सीताराम नामक 43 वर्षीय शख्स ने एचएमटी हिल्स में ताड़ी पी ली। इसके बाद उसकी तबीयत अचानक खराब हो गई।

डॉक्टर ने किया मृत घोषित- 7 जुलाई की शाम को ताड़ी पीने के बाद सीताराम घर पहुंचा, तो उसके उल्टियां होने लगीं और डायरिया की शिकायत भी देखने को मिली। सीताराम की पत्नी उसे लेकर डुंडीगल स्थित अरुंधति अस्पताल पहुंची, जहां उसे गांधी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। गांधी अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर ने सीताराम को मृत घोषित कर दिया।

15 लोगों की हालत गंभीर- सीताराम की पत्नी ने KPHB पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, 7 जुलाई को सीताराम के अलावा 15 अन्य लोगों ने उसी दुकान से ताड़ी पी थी और सभी की तबीयत खराब हो गई। इनमें एक शख्स की हालत खराब है और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है।

पुलिस के अनुसार, कुकटपल्ली स्थित उस दुकान से ताड़ी पीने के बाद 15 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। सभी अस्पताल में भर्ती हैं। रामदेव अस्पताल में सभी का इलाज चल रहा है। एक शख्स की हालत काफी नाजुक है।

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन का मुद्दा पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, दो एक्टिविस्टों ने दायर की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग के वोटर लिस्ट रिवीजन के फैसले का मुद्दा गरमाता ही जा रहा है। अब इस फैसले को चुनौती दी गई है। दो एक्टिविस्टों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए एक याचिका दायर की है, जिसकी सुनवाई करने के लिए अदालत तैयार हो गई है।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 10 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की है। अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने मामले की तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था। अधिवक्ता ने कहा कि अरशद अजमल और रूपेश कुमार की ओर से दायर याचिका में राज्य में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। इसे अन्य मामलों के साथ सूचीबद्ध करने का आग्रह किया गया है।

एक्टिविस्टों ने क्या दिया तर्क- याचिका दायर करने के पीछे एक्टिविस्टों ने तर्क दिया किया कि यह प्रक्रिया जन्म, निवास और नागरिकता से संबंधित मनमानी, अनुचित और असंगत दस्तावेजीकरण जरूरतों को लागू करके स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के साथ-साथ प्रतिनिधि लोकतंत्र के सिद्धांतों को कमजोर करती है।

जमीन पर पटका और पैर से गर्दन दबाकर पत्नी को सुला दिया मौत की नींद, बेंगलुरु में पति कैसे बना हैवान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से पति की हैवानियत सामने आई है। उसने दो बच्चों की मां को पहले तो जमीन पर पटक दिया और फिर अपना पैर उसकी गर्दन पर तब तक दबाए रखा, जब तक कि उसकी मौत नहीं हो गई।

पुलिस ने बताया कि हरीश कुमार और पद्मजा कर्नाटक के श्रीनिवासपुर के रहने वाले थे और इंजीनिरिंग की डिग्री मिलने के बाद बेंगलुरु में काम कर रहे थे। इन दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था और मंगलवार (08 जुलाई, 2025) को इसी झगड़े ने मारपीट का रूप ले लिया।

जमीन पर पटका और पैर से दबा दी गर्दन- एक अधिकारी ने बताया कि हरीश ने उस दिन पद्मजा की पहले तो पिटाई की, फिर उसे जमीन पर पटक दिया और इसके बाद अपने पैर को पद्मजा की गर्दन पर तब तब दबाए रखा, जब तक कि उसकी मौत नहीं हो गई।

पुलिस दर्ज किया हत्या का मामला- पुलिस अधिकारी ने बताया, बोम्मनहल्ली पुलिस स्टेशन में मामले को दर्ज कर लिया गया है और हरीश को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है।

कुएं से मरे मेंढक निकाल रहा था बेटा, बचाने के लिए पिता भी उतरा; दोनों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक व्यक्ति और उसके 15 वर्षीय बेटे की कुएं में उतरने के बाद मौत हो गई। मौत का स्पष्ट कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन माना जा रहा है कि जहरीली गैस से दम घुटने या बिजली का झटका लगा होगा।

मामला सीपत थाना क्षेक्ष के ऊनी गांव का है। पुलिस के मुताबिक, व्यक्ति का बेटा सबसे पहले कुएं में पड़े मृत मेढकों को बाहर निकालने के लिए कुएं में उतरा था। उसे बचाने के लिए व्यक्ति भी कुएं में उतरा, लेकिन दोनों ही बाहर नहीं आ पाए।

घर के आंगन में था कुआं+ थाना प्रभारी गोपाल सतपथी के मुताबिक, 40 वर्षीय कैलाश दास गोस्वामी पेशे से ड्राइवर था। उसने अपने घर के आंगन में हाल ही में कुआं खोदवाया था। सोमवार के दिन किसी कारणवण घर की बिजली गुल हो गई थी। इसके बाद कैलाश के 15 साल के बेटे अंशु ने 25 फीट गहरे कुएं से रस्सी और बाल्टी के इस्तेमाल से पानी निकाला।

इस दौरान अंशु को कुएं से बदबू आने लगी। जब उसने कुएं में झांककर देखा, तो उसे पानी की सतह पर कुछ मेढक मरे दिखाई दिए। वह कुएं में उन मेढकों को निकालने के लिए उतरा। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया, तो उसके पिता को अनहोनी का अंदेशा हुआ।

बेटे को बचाने के लिए कूदा पिता- इसके बाद उसने देखा कि उसका बेटा मदद के लिए तड़प रहा है। बेटे को बचाने की कोशिश में वह कुएं में कूद गया। कुछ समय तक वह भी बाहर नहीं आया।

संजय गायकवाड़ ने विधायकों की गरिमा मिट्टी में मिला दी, शिंदे गुट के नेता ने की कैंटीन के ठेकेदार की पिटाई तो भड़के सीएम फडणवीस

नई दिल्ली (एजेंसी)। एकनाथ शिंदे गुट वाली शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ ने एमएलए गेस्ट हाउस की कैंटीन के ठेकेदार की पिटाई कर दी। वह खराब दाल दिए जाने से नाराज थे। मामले पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार (09 जुलाई, 2025) को नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि एक विधायक के रूप में संजय गायकवाड़ ने सभी विधायकों की गरिमा को धूमिल किया है।

उन्होंने राज्य विधान परिषद में मारपीट की घटना की निंदा करते हुए कहा कि इस तरीके का व्यवहार अस्वीकार्य है और किसी के लिए भी सम्मानजनक नहीं है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि एक विधायक के रूप में गायकवाड़ के कारनामे ने सभी विधायकों की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के बीच जवाबदेही की जरूरत पर जोर दिया।

क्या है पूरा मामला- बुलढाणा से विधायक संजय गायकवाड़ एमएलए गेस्ट हाउस में ठहरे हुए थे और वो इसकी कैंटीन में खाना खाने के लिए पहुंचे। उन्हें परोसे गए खराब क्वालिटी के खाने को लेकर गायकवाड़ ने कैंटीन के कर्मचारियों से झगड़ा किया और अन्य लोगों के साथ मिलकर कैंटीन के ठेकेदार की पिटाई कर दी। यह घटना राज्य सरकार की ओर से संचालित गेस्ट हाउस में हुई, जहां पर महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के दोरान कई विधायक ठहरे हुए हैं।

चश्मदीदों का क्या कहना है- वहां मौजूद कुछ लोगों का कहना है कि कैंटीन कर्मचारियों और शिवसेना विधायक के बीच टकराव बढ़ गया, जो शारीरिक हिंसा में बदल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है, जिसमें देखा जा सकता है कि गायकवाड़ कैंटीन ठेकेदार को पहले दाल सुंघाते हैं और कहते हैं सड़ी हुई है दाल, फिर उसे थप्पड़ जड़ देते हैं और घूंसा भी मारते हैं।

क्या कहना है संजय गायकवाड़ का- मामले पर शिवसेना विधायक ने कहा, पूरे राज्य से लोग यहां खाना खाने आते हैं, मजदूर, अधिकारी, सभी। चूंकि यह सरकारी कैंटीन है, यहां खाने की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए।

बिहार में सियासी संग्राम के बीच EC ने X पर पोस्ट किया संविधान का अनुच्छेद 326, क्या है इसका मतलब

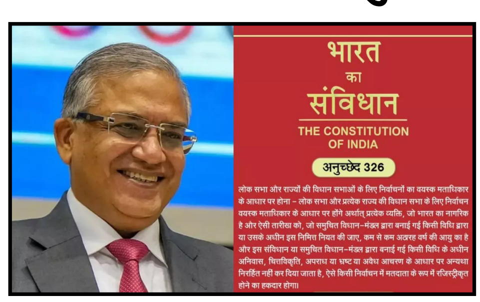

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची पर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है।

राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस से लेकर तमाम विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग के फैसले पर नाराजगी जाहिर की है। इतना ही नहीं आरजेडी सांसद मनोज झा ने तो चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है।

हालांकि, चुनाव आयोग का कहना है संविधान के नियम के तहत ही वोटर लिस्ट का गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है। इसी बीच चुनाव आयोग ने अपने एक्स अकाउंट पर भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 को पोस्ट किया है।

क्या कहता है संविधान का अनुच्छेद 326?

अब आइए जान लेते हैं कि संविधान का अनुच्छेद 326 क्या है। दरअसल, अनुच्छेद 326 वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनावों की गारंटी देता है। भारत का हर नागरिक, जो 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र का हो और सामान्य रूप से किसी निर्वाचन क्षेत्र में निवास करता हो, वो मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने का हकदार है।

हालांकि, संविधान के मुताबिक, यदि कोई व्यक्ति के पास देश की नागरिकता साबित करने के लिए पुख्ता प्रमाणपत्र नहीं है, अपराधी है या मानसिक रूप से अस्थिर है तो उसे मतदान का अधिकार नहीं मिलेगा।

सरल भाषा में कहें तो यह अनुच्छेद सुनिश्चित करता है कि सभी पात्र नागरिकों को निष्पक्ष और समान रूप से वोट देने का अधिकार मिले। दरअसल, इस पोस्ट के जरिए चुनाव आयोग ये साफ करना चाहता है कि बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन संवैधानिक तौर पर वैध है।

बता दें कि बिहार में चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू किया है। यह अभियान 25 जून से 26 जुलाई तक चलेगा। एसआईआर का उद्देश्य अपात्र नामों को वोटर लिस्ट से हटाना है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

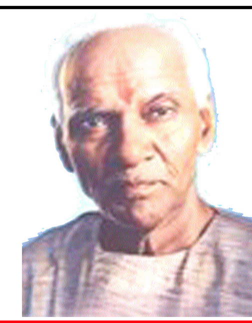

विक्रम संवत 2079 कृष्ण पूर्णिमा

संपादकीय

माता पिता गुरुवर के प्रति सम्मान आस्था समर्पण का भाव समाया हुआ है..

गुरु मेरी पूजा गुरु गोविंद गुरु मेरा पारब्रह्म गुरु भगवंत,गुरु मेरा ज्ञान हृदय ध्यान गुरु गोपाल पुरख भगवान,गुरु जैसा नहीं को देव, जिस मस्तक भाग सो लागा सेव इत्यादि माननीय गुरुवर की महिमा के अनेक आध्यात्मिक भजन हम अनेक बार शिद्दत से सुनते गाते आ रहे हैं क्योंकि भारतमाता की मिट्टी से ही मानवीय जीव की रग रग में आध्यात्मिकता, माता पिता गुरुवर के प्रति सम्मान आस्था समर्पण का भाव समाया हुआ है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं कि जितनी आध्यात्मिकता की श्रद्धा भारत में है शायद ही यह विश्व के किसी भी अन्य देश में होगी।यहां सदियों से माता-पिता और आचार्य को गुरु का दर्जा दिया जाता है भारतीय संस्कृति की पहचान है कि,मातृमान् पितृमानाचार्यवान पुरूषो वेदः। (अर्थात, जब तीन उत्तम शिक्षक अर्थात एक माता, दूसरा पिता और तीसरा आचार्य हो तो तभी मनुष्य ज्ञानवान होगा।) प्रशस्ता धार्मिकी विदुषी माता विद्यते यस्य स मातृमान। पितृ देवो भव। आचार्य देवो भव। अतिथि देवों भव। अर्थात् माता को, पिता को, आचार्य को और अतिथि को देवता के समान मानकर उनके साथ व्यवहार करो। गुरुर्ब्रह्मा ग्ररुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः।।गुरु ब्रह्मा है, गुरू विष्णु है, गुरू महेश्वर अर्थात भगवान शंकर है। गुरु ही साक्षात परम ब्रह्म सर्वशक्तिमान है, ऐसे गुरु को मेरा नमस्कार। (उक्त श्लोक में गुरू की महत्ता स्पष्ट करते हुए गुरु को परम ईश्वर के तुल्य बताकर वंदना की गई है।)गुरु कृपा और आध्यात्मिक विकास गुरु पूर्णिमा का मूल उद्देश्य ही होता है, गुरु के प्रति श्रद्धा और आत्मा का शुद्धिकरण।इस दिन का आयोजन व्यक्ति के आध्यात्मिक उत्थान, साधना में सफलता और चित्त की स्थिरता लाने मेंसहायक होता है। विद्यार्थियों को विद्या, स्मरण शक्ति और अनुशासन की प्राप्ति होती है, वहीं साधकों को ध्यान, जप, और तप में मन की एकाग्रता मिलती है। यह दिन आत्मबोध और जीवन के सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।इसलिए आज गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर हम माता पिता गुरु की विस्तार से चर्चा इस आर्टिकल के माध्यम से करके उसे पर अमल जरूर करेंगे।

साथियों बात अगर हम इस बार गुरु पूर्णिमा की करें तो, अबकी बार बहुत ही अद्भुत संयोग बना है। दरअसल इस बार गुरु पूर्णिमा के दिन गुरुवार है। गुरुवार 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का पर्व इस बार मनाया जा रहा है। पूर्णिमा पर भगवान विष?णु और उनके विभिन?न स?वरूपों की पूजा का सबसे ज?यादा महत?व शास?त्रों में बताया गया है। तो अब अबकी बार गुरु पूर्णिमा गुरुवार को होने से इसका महत?व और बढ़ गया है। इस शुभ अवसर पर यदि आप अपने घर में सत?यनारायण भगवान की कथा करवाते हैं तो आपको इसका कई गुना लाभ होगा। तो आइए जानते हैं गुरु पूर्णिमा पर घर में सत?यनारायण कथा करवाने के लाभ।गुरुवार और गुरु पूर्णिमा का संयोग अत्यंत दुर्लभ और अत्यधिक शुभ माना जाता है। जब गुरुवार, जो कि बृहस्पति ग्रह और विष?णु भगवान को समर्पित दिन होता है, और गुरु पूर्णिमा, जो ज्ञान, उपासना और श्रद्धा का पर्व है, एक साथ आते हैं, तो यह काल धार्मिक अनुष्ठानों के लिए सर्वश्रेष्ठ हो जाता है।

साथियों बात अगर हम गुरु शिष्य परंपरा की करें तो,गुरु-शिष्य परम्परा आध्यात्मिक ज्ञान को नई पीढ़ियों तक पहुंचाने का सोपान है। भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परम्परा के अन्तर्गत गुरु अपने शिष्य को निस्वार्थ भाव से शिक्षा देता है। जिसके बदले में शिष्य अपने गुरु को शिक्षा समाप्त होने पर गुरुदक्षिणा देता है। बाद वही शिष्य अपने गुरु के बताये हुए मार्गदर्शन पर चलकर समाज सेवा करता है।

गुरु पूर्णिमा

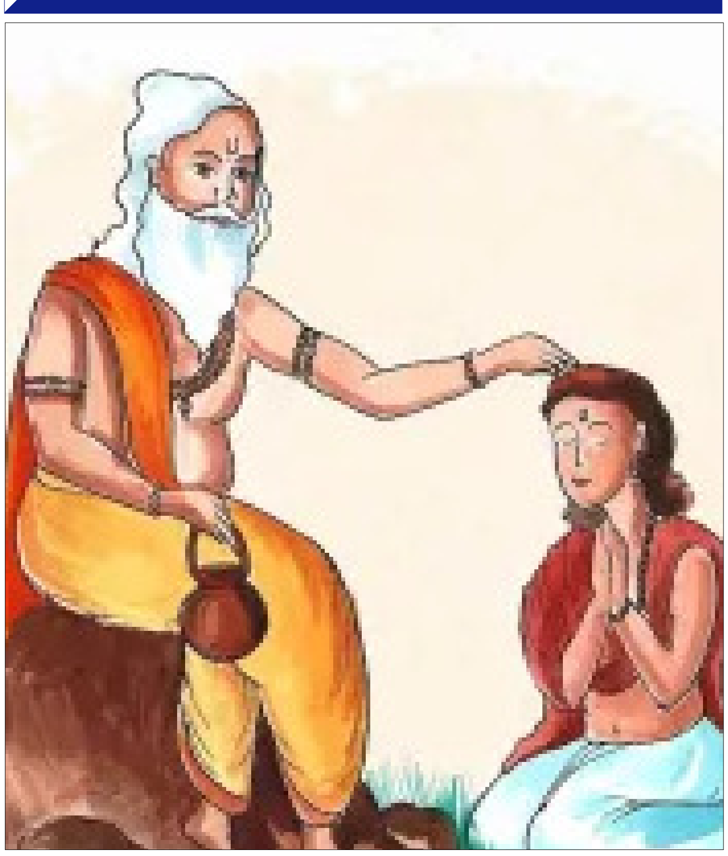

गुरु पूर्णिमा / व्यास पूर्णिमा / मुड़िया पूनों आषाढ़ मास की पूर्णिमा को कहा जाता है। इस दिन गोवर्धन पर्वत की लाखों श्रद्धालु परिक्रमा देते हैं। बंगाली साधु सिर मुंडाकर परिक्रमा करते हैं, क्योंकि आज के दिन सनातन गोस्वामी का तिरोभाव हुआ था। ब्रज में इसे मुड़िया पूनों कहा जाता है। आज का दिन गुरुङ्कपूजा का दिन होता है। इस दिन गुरु की पूजा की जाती है। पूरे भारत में यह पर्व बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। वैसे तो व्यास नाम के कई विद्वान् हुए हैं, परंतु व्यास ऋषि जो चारों वेदों के प्रथम व्याख्याता थे, आज के दिन उनकी पूजा की जाती है। हमें वेदों का ज्ञान देने वाले व्यास जी ही थे। अतः वे हमारे आदिगुरु हुए। उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए हमें अपने-अपने गुरुओं को व्यास जी का अंश मानकर उनकी पूजा करनी चाहिए। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करते थे तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु की पूजा किया करते थे और उन्हें यथाशक्ति दक्षिणा अर्पण किया करते थे। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात् माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए।

वेद व्यास जयंती

गुरु पूर्णिमा जगत् गुरु माने जाने वाले वेद व्यास को समर्पित है। माना जाता है कि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ मास की पूर्णिमा को हुआ था। वेदों के सार ब्रह्मसूत्र की रचना भी वेदव्यास ने आज ही के दिन की थी। वेद व्यास ने ही वेद ऋचाओं का संकलन कर वेदों को चार भागों में बांटा था। उन्होंने ही महाभारत, 18 पुराणों व 18 उप पुराणों की रचना की थी जिनमें भागवत पुराण जैसा अतुलनीय ग्रंथ भी शामिल है। ऐसे जगत् गुरु के जन्म दिवस पर गुरु पूर्णिमा मनाने की परंपरा है।

गुरुपूर्णिमा का महत्व

गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु गुरु देवो महेश्वर, गुरु साक्षात् परमं ब्रह्मा तस्मै श्री गुरुवे नमः

अर्थात- गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है और गुरु ही भगवान शंकर है। गुरु ही साक्षात परब्रह्म है। ऐसे गुरु को मैं प्रणाम करता हूं।

गुरु के प्रति नतमस्तक होकर कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है गुरुपूर्णिमा। गुरु के लिए पूर्णिमा से बढ़कर और कोई तिथि नहीं हो सकती। जो स्वयं में पूर्ण है, वही तो पूर्णत्व की प्राप्ति दूसरों को करा सकता है। पूर्णिमा के चंद्रमा की भांति जिसके जीवन में केवल प्रकाश है, वही तो अपने शिष्यों के अंतःकरण में ज्ञान रूपी चंद्र की किरणें बिखेर सकता है। इस दिन हमें अपने गुरुजनों के चरणों में अपनी समस्त श्रद्धा अर्पित कर अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करनी चाहिए। गुरु कृपा असंभव को संभव बनाती है। गुरु कृपा शिष्य के हृदय में अगाध ज्ञान का संचार करती है।

गुरु की महिमा

गुरु को गोविंद से भी ऊंचा कहा गया है। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात् अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को 'गुरु' कहा जाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है। 'व्यास' का शाब्दिक संपादक, वेदों का व्यास यानी विभाजन भी संपादन की श्रेणी में आता है। कथावाचक शब्द भी व्यास का पर्याय है। कथावाचन भी देश-काल-परिस्थिति के अनुरूप पौराणिक कथाओं का विश्लेषण भी संपादन है। भगवान वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, 18 पुराणों और उपपुराणों की रचना की। ऋषियों के बिखरे अनुभवों को समाजभोग्य बना कर व्यवस्थित किया। पंचम वेद 'महाभारत' की रचना इसी पूर्णिमा के दिन पूर्ण की और विश्व के सुप्रसिद्ध आर्ष ग्रंथ ब्रह्मसूत्र का लेखन इसी दिन आरंभ किया। तब देवताओं ने वेदव्यासजी का पूजन किया। तभी से व्यास पूर्णिमा मनायी जा रही है।

''तमसो मा ज्योतिगर्मय'' अंधकार की बजाय प्रकाश की ओर ले जाना ही गुरुत्व है। आगम-निगम-पुराण का निरंतर संपादन ही व्यास रूपी सद्गुरु शिष्य को परमपिता परमात्मा से साक्षात्कार का माध्यम है। जिससे मिलती है सारूप्य मुक्ति। तभी कहा गया- ''सा विद्या या विमुक्तये।'' आज विश्वस्तर पर जितनी भी समस्याएं दिखाई दे रही हैं, उनका मूल कारण है गुरु-शिष्य परंपरा का टूटना। श्रद्धावाल्लभते ज्ञानम्। आज गुरु-शिष्य में भक्ति का अभाव गुरु का धर्म ''शिष्य को लूटना, येन केन प्रकारेण धनार्जन है'' क्योंकि धर्मभीरुता का लाभ उठाते हुए धनतृष्णा कालनेमि गुरुओं को गुरुता से पतित करता है। यही कारण है कि विद्या का लक्ष्य 'मोक्ष' न होकर धनार्जन है। ऐसे में श्रद्धा का अभाव स्वाभाविक है। अन्ततः अनाचार, अत्याचार, व्यभिचार, भ्रष्टाचारादि कदाचार बढ़ा। व्यासत्व यानी गुरुत्व अर्थात् संपादकत्व का उत्थान परमावश्यक है।

व्रत और विधान

इस दिन (गुरु पूजा के दिन) प्रातःकाल स्नान पूजा आदि नित्य कर्मों से निवृत्त होकर उत्तम और शुद्ध वस्त्र धारण कर गुरु के पास जाना चाहिए।

गुरु को ऊंचे सुसज्जित आसन पर बैठाकर पुष्पमाला पहनानी चाहिए। इसके बाद वस्त्र, फल, फूल व माला अर्पण कर तथा धन भेंट करना चाहिए। इस प्रकार श्रद्धापूर्वक पूजन करने से गुरु का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

गुरु के आशीर्वाद से ही विद्यार्थी को विद्या आती है। उसके हृदय का अज्ञानता का अन्धकार दूर होता है। गुरु का आशीर्वाद ही प्राणी मात्र के लिए कल्याणकारी, ज्ञानवर्धक और मंगल करने वाला होता है। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है।

गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी द्वारा रचे हुए ग्रंथों का अध्ययन-मनन करके उनके उपदेशों पर आचरण करना चाहिए।

इस दिन केवल गुरु (शिक्षक) ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है।

इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं। गुरु पूजन का मन्त्र है-

गुरु ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुदेव महेश्वरः।
गुरु साक्षात्परब्रह्म तस्मैश्री गुरुवे नमः।।

क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

प्रातः घर की सफाई, स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर साफ-सुथरे वस्त्र धारण करके तैयार हो जाएं।

घर के किसी पवित्र स्थान पर पटिए पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 12-12 रेखाएं बनाकर व्यास-पीठ बनाना चाहिए।

फिर हमें गुरुपरंपरासिद्धयर्थं व्यासपूजां करिष्ये मंत्र से पूजा का संकल्प लेना चाहिए।

तत्पश्चात् दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ना चाहिए।

फिर व्यासजी, ब्रह्माजी, शुकदेवजी, गोविंद स्वामीजी और शंकराचार्यजी के नाम, मंत्र से पूजा का आवाहन करना चाहिए।

अब अपने गुरु अथवा उनके चित्र की पूजा करके उन्हें यथा योग्य दक्षिणा देना चाहिए।

आषाढ़ की पूर्णिमा को ही क्यों

आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मानने का क्या राज़ है?

धर्म जीवन को देखने का काव्यात्मक ढंग है। सारा धर्म एक महाकाव्य है। अगर यह तुम्हें खयाल में आए, तो आषाढ़ की पूर्णिमा बड़ी अर्थपूर्ण हो जाएगी। अन्यथा आषाढ़ में पूर्णिमा दिखाई भी न पड़ेगी। बादल घिरे होंगे, आकाश खुला न होगा। और भी प्यारी पूर्णिमाएं हैं, शरद पूर्णिमा है, उसको क्यों नहीं चुन लिया? लेकिन चुनने वालों का कोई खयाल है, कोई इशारा है। वह यह है कि गुरु तो है पूर्णिमा जैसा, और शिष्य है आषाढ़ जैसा। शरद पूर्णिमा का चांद तो सुंदर होता है, क्योंकि आकाश ख़ाली है। वहां शिष्य है ही नहीं, गुरु अकेला है। आषाढ़ में सुंदर हो, तभी कुछ बात है, जहां गुरु बादलों जैसा घिरा हो शिष्यों से।

F&O ट्रेडिंग में एक और बदलाव की तैयारी, खत्म हो सकती है वीकली इंडेक्स ऑप्शन एक्सपायरी

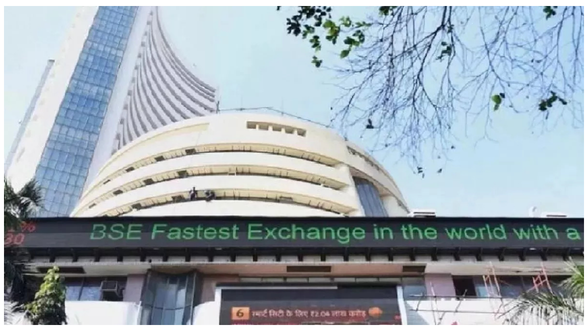

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार नियामक SEBI लगातार स्टॉक मार्केट में फ्यूचर एंड ऑप्शन सेगमेंट से जुड़े नियमों में बदलाव कर रहा है, खासतौर पर इंडेक्स ऑप्शन्स को लेकर। इसी कड़ी में सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया, इंडेक्स ऑप्शन्स एक्सपायरी में बड़े बदलाव पर विचार कर रहा है। बताया जा रहा है कि मार्केट रेगुलेटर इस सेगमेंट में बढ़ते कारोबार पर लगाम लगाने के लिए वीकली एक्सपायरी के बजाय, फोर्टनाइटली एक्सायरी (15 दिन) लेकर आ सकता है।

मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले से परिचित एक व्यक्ति के हवाले से यह जानकारी मिली है। प्रस्तावित बदलाव से निफ्टी और सेंसेक्स की महीने में सिर्फ दो-दो एक्सपायरी होंगी। इससे पहले सेबी बैंक निफ्टी की वीकली एक्सपायरी को खत्म कर चुका है और सिर्फ मंथली एक्सपायरी प्रभावी है।

हर उपाय पर सेबी की नजर- इस रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इंडेक्स फ्यूचर्स और ऑप्शंस पर पोजीशन लिमिट और ओपन इंटरेस्ट के कैलकुलेशन में बदलाव जैसे कुछ अतिरिक्त उपाय इसी महीने प्रभावी हो गए हैं। पोजीशन लिमिट से तात्पर्य उस जोखिम से है जो एक निवेशक इंडेक्स ऑप्शंस में ले सकता है, जबकि ओपन इंटरेस्ट उस कॉन्ट्रैक्ट में किसी बकाया खरीद या बिक्री पोजीशन को दर्शाता है।

फिलहाल, सेबी अगले कुछ सप्ताह में यह देखेगा कि क्या हालिया उपायों से ऑप्शन्स की मात्रा में कमी आती है, तथा अगर इन उपायों से संख्या में कोई परिवर्तन नहीं होता है या बहुत कम असर होता है तो फोर्टनाइटली एक्सपायरी जैसे उपायों को बाद में लागू किया जा सकता है।

दरअसल, सेबी लंबे समय से फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट में रिटेल निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी पर अंकुश लगाने की कोशिश कर रहा है। सेबी की एक हालिया स्टडी से पता चला है कि एफएंडओ में व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या में गिरावट आई है और घाटा भी बढ़ा है। इसमें कहा गया है कि 10 में से 9 व्यक्ति अभी भी एफएंडओ ट्रेड्स में नुकसान उठा रहे हैं।

36% की तेजी दिखा सकता है ये रियल एस्टेट शेयर, एक साल से घाटे में चल रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्योहारी सीजन में घर व वाहनों की बिक्री बढ़ने की संभावना रहती है इसलिए रियल एस्टेट और ऑटो सेक्टर की कंपनियों के शेयरों में बढ़ोतरी की उम्मीद रहती है। देश के दिग्गज ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने रियल एस्टेट सेक्टर की नामी कंपनी लोढ़ा मैक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड के शेयरों पर खरीदारी की सलाह दी है। खास बात है कि यह रियल एस्टेट स्टॉक अपने करंट मार्केट प्राइस से 36 फीसदी तक का उछाल दिखा सकता है।

मोतीलाल ओसवाल ने रिपोर्ट में क्या कहा- ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि लोढ़ा मैक्रोटेक डेवलपर्स की प्री-सेल्स में 20% CAGR की दर से वृद्धि की उम्मीद है, और इसका क्रेडिट बेहतर हाउसिंग कलेक्शन को जाता है। चूंकि, कंपनी ने पुणे में प्रवेश किया और बेहतर गति से अपना बिजनेस विस्तार कर रही है। इसके अलावा, कंपनी ने बेंगलुरु में अपना पायलट फेज पूरा कर लिया है और वित्त वर्ष 25 में 66 अरब रुपये के GDV वाली 5.6 मिलियन वर्ग फुट के एक प्रोजेक्ट के अधिग्रहण के साथ विस्तार करना शुरू कर दिया है।

इसके अलावा, लोढ़ा मैक्रोटेक डेवलपर्स मजबूत किराया हासिल करने के लिए अपने कमर्शियल और इंडस्ट्रियल पोर्टफोलियो का विस्तार भी कर रहा है।

म्यूचुअल फंड्स में लोगों ने दबा के लगाया पैसा, जून में AUM पहुंचा 74 लाख करोड़ के पार; ध्वस्त हुए कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया ने बुधवार को Mutual Fund के जून के आंकड़े जारी किए। इन आकड़ों ने पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए एक नया रिकॉर्ड बना दिया। जून के महीने में म्यूचुअल फंड का नेट AUM 74 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया।

जून के महीने के एवरेज एसेट अंडर मैनेजमेंट 74,79,155.51 करोड़ रुपये रहा। जून 2025 तक म्यूचुअल फंड का फोलियो 24,13,44,556 पहुंच गया। अप्रैल में यह आंकड़ा 72,19,610.69 करोड़ रुपये था।

म्यूचुअल फंड ने जून में बनाए ये बड़े रिकॉर्ड- म्यूचुअल फंड के जरिए गोल्ड ईटीएफ में निवेश मई के 292 करोड़ से बढ़कर जून में 2,080.9 करोड़ हो गया।

SIP में निवेश पिछले महीने के 26,688 करोड़ से बढ़कर 27,269 करोड़ हो गया। यह अब तक का सबसे हाई लेवल है।

जून में, शुद्ध इक्विटी निवेश मई के 18,994.56 करोड़ की तुलना में बढ़कर 23,568 करोड़ हो गया। मंथली बेसिस पर इसमें 24 फीसदी की वृद्धि देखी गई।

रिटेल Mutual Fund Folio (इक्विटी + हाइब्रिड + सॉल्यूशन ओरिएंटेड स्कीम) की संख्या जून 2025 में 19,07,05,687 तक हो गई। मई 2025 में यह संख्या 18,84,31,250 थी।

जून में 61,91,178 नई SIP के लिए रजिस्ट्रेशन हुए। जून के महीने में SIP के जरिए लोगों ने 27,268.79 करोड़ रुपये का निवेश किया।

जून तक SIP अकाउंट्स की संख्या 8,64,70,491 पहुंच गई। इसके साथ जून के महीने में 20 नई योजनाएं शुरू की गईं, जिनके जरिए 1986 करोड़ रुपये जुटाए गए।

नतीजों पर क्या बोले AMFI के चीफ एग्जीक्यूटिव- AMFI के चीफ एग्जीक्यूटिव वेंकट चलसानी ने म्यूचुअल फंड की रिपोर्ट पर कहा कि जून में म्यूचुअल फंड का AUM 74 लाख करोड़ के जाना एक बड़ा माइलस्टोन है।

अदाणी के बाद US रिसर्च फर्म के निशाने पर अनिल अग्रवाल, वेदांता के शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर कारोबारी अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाली माइनिंग कंपनी वेदांता लिमिटेड के शेयरों में 9 जुलाई को साढ़े 4 फीसदी तक की गिरावट आ गई। दरअसल, अमेरिका की शॉर्ट सेलर फर्म, वायसराय रिसर्च ने वेदांता की मूल कंपनी वेदांता रिसोर्सेज पर एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें वेदांता ग्रुप की कंपनी की संरचना को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि यह एक पोंजी स्कीम जैसी है।

वायसराय की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समूह की संरचना वित्तीय रूप से अस्थिर और पोंजी स्कीम जैसी है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद वेदांता के शेयरों में बिकवाली हावी हो गई। सुबह 461 रुपये के स्तर पर खुलने के बाद कंपनी के शेयरों ने 420.65 रुपये का लो लगा दिया।

वेदांता और सहायक कंपनियों के शेयरों में गिरावट

वायसराय की रिपोर्ट से वेदांता के अलावा, उसकी सहायक कंपनी हिंदुस्तान जिंक के शेयरों में भी 3त्न तक की गिरावट आ गई है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब वेदांता कई अलग-अलग लिस्टेड कंपनियों के डीमर्जर की प्लानिंग कर रहा है।

इससे पले वेदांता रिसोर्सेज ने जून 2024 में कहा था कि वह अगले तीन वर्षों में अपने कर्ज में 3 बिलियन डॉलर की कटौती करने का प्रयास करेगी।

कौन हैं सबीह खान, जो बने Apple के COO; यूपी के इस शहर से है नाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में शुमार एप्पल ने भारतीय मूल के सबीह खान को अपना नया मुख्य परिचालन अधिकारी बनाया है। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में जन्मे सबीह अब दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित कंपनियों में से एक की कमान संभालेंगे।

शुरुआती जीवनः उत्तर प्रदेश से अमेरिका तक का सफर- सबीह खान का जन्म 1966 में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में हुआ था। स्कूल की पढ़ाई के दौरान वह सिंगापुर चले गए और फिर आगे चलकर अमेरिका में बस गए। उन्होंने टफ्ट्स यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डबल बैचलर डिग्री हासिल की और फिर रेन्सेलेयर पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मास्टर्स किया।

भारतीय मूल के लिए गर्व का पल- सबीह खान की इस नियुक्ति ने भारत, खासकर उत्तर प्रदेश के लिए गौरव का क्षण पैदा किया है। एक छोटे से शहर मुरादाबाद से निकलकर दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में से एक के संचालन का नेतृत्व करना भारतीय प्रतिभा की वैश्विक स्तर पर पहचान को दर्शाता है।

Apple में 30 साल की शानदार पारी- सबीह ने अपने करियर की शुरुआत त्नश्व प्लास्टिक्स में की थी, जहाँ वह एप्लिकेशन डेवलपमेंट इंजीनियर और टेक्निकल लीडर की भूमिका में रहे। इसके बाद 1995 में उन्होंने Apple के प्रोक्योरमेंट डिपार्टमेंट में कदम रखा और तब से कंपनी के साथ जुड़े रहे हैं।

2019 में उन्हें Apple का सीनियर वॉइस प्रेसिडेंट बनाया गया। इस भूमिका में उन्होंने Apple की वैश्विक सप्लाई चेन का ठीक करने का काम किया। जिसमें प्लानिंग, खरीद, मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और प्रोडक्ट सप्लाई शामिल है।

COO बनने के मायने- अब सबीह खान एप्पल के COO जेफ विलियम्स की जगह लेंगे, जो इस सालभर में रिटायर हो रहे हैं। सबीह इस महीने के अंत तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे।

नहीं आएगा Reliance Jio का आईपीओ, निवेशकों को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस जियो के आईपीओ का निवेशकों को बेसब्री इंतजार था। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो रिलायंस जियो का आईपीओ बहुत जल्द ही लॉन्च होने वाला था। लेकिन अब कंपनी की ओर से इसमें अभी रोक लगा दी गई है।

सूत्रों के हवाले से ये कहा जा रहा है कि रिलायंस जियो का आईपीओ इस साल नहीं आएगा। चलिए जानते हैं कि इसके पीछे क्या वजह हो सकती है।

Reliance Jio IPO लॉन्च न करने की वजह- सूत्रों ने बताया कि जियो और ज्यादा राजस्व और अपना कस्टमर बेस बढ़ाना चाहता है। इसके साथ ही अपना Digital Offering को भी विस्तार करना चाहता है। ताकि उसका वैल्यूएशन पहले से ज्यादा बढ़ सके।

जियो प्लेटफॉर्म का 80 फीसदी एनुअल रेवेन्यू जो लगभग 17.6 बिलियन डॉलर है, वे टेलीकॉम बिजनेस से आता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

रायसेन जिले में धान लगाने जा रहे मजदूरों से भरा पिकअप पलटा, 28 घायल, 5 गंभीर भोपाल रेफर

गैरतगंज। बुधवार की सुबह रायसेन जिले में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ, जिसने मजदूरों को लेकर जा रहे एक पिकअप वाहन को पलट दिया। इस दर्दनाक घटना में 28 मजदूर घायल हो गए, जिनमें से 5 की हालत गंभीर होने पर उन्हें भोपाल रेफर किया गया है। यह हादसा देहगांव थाना क्षेत्र के मुड़िया खेड़ा के पास भोपाल-सागर मुख्य मार्ग पर हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गढ़ी कस्बे के खैरुआ मोहल्ले से लगभग 40 मजदूर धान लगाने एक पिकअप वाहन में बैठकर जा जा रहे थे। इसी दौरान सुबह करीब 9 बजे, पिकअप वाहन मुड़िया खेड़ा के पास तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित होकर पलट गया।भोपाल रेफर किया गया

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने फौरन मदद के लिए हाथ बढ़ाया और घायलों को वाहन से बाहर निकाला। 100 डायल की सहायता से सभी घायलों को तत्काल रायसेन अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। पांच गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए भोपाल रेफर किया गया है।

घायलों के नामहरिराम कुशवाहा, दीपेश कुशवाहा, गंगाबाई अहिरवार, सोनू अहिरवार, रानी बाई, कमल ठाकुर, बलवान, केसर बाई अहिरवार, परशुराम कुशवाहा, राजेश बंसल, अंजलि, रागनी, शीला बाई, कमल सिंह, लक्ष्मी नारायण, अजय सिंह, सविता आदिवासी, कल्लू आदिवासी, पूनम बाई, हल्की अहिरवार, कमलेश आदिवासी, रूप सिंह अहिरवार, किशोरी, रानी बाई, राजकुमारी, दीपाली, लखन रैकवार, प्रवेश शामिल है।

देहगांव पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जिन मजदूरों को गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें भोपाल रेफर किया गया है, उनकी विस्तृत जानकारी अभी प्रतीक्षित है। यह घटना एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों की असुरक्षित परिवहन व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

Driving Licence नहीं होने पर क्या मुआवजे की राशि में की जा सकती है कटौती –हाई कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

ग्वालियर। प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि अगर किसी मृतक के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था, तो सिर्फ इसी आधार पर उसे लापरवाह नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि जब तक बीमा कंपनी ये साबित न कर दे कि मृतक तेज और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था, तब तक मुआवजे की रकम में कटौती नहीं की जा सकती। यह मामला कुंज विहार कॉलोनी, गोला का मंदिर निवासी रेनू चौहान और उनके सास-ससुर से जुड़ा है, जिन्होंने 30 नवंबर 2006 को जिला न्यायालय में क्लेम याचिका दायर की थी। उन्होंने बताया कि एक सितंबर 2006 को उनके पति संजू उर्फ संजीव उर्फ राजेंद्र सिंह चौहान बाइक से बाजार जा रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई।जिला कोर्ट ने मंजूर किए थे सिर्फ 4.4 लाख रुपए स्वजन ने 15 लाख रुपए का मुआवजा मांगा था, लेकिन जिला कोर्ट ने सिर्फ 4.4 लाख रुपये मंजूर किए और कहा कि मृतक के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था, इसलिए वो भी बराबर का दोषी है। इसलिए कोर्ट ने सिर्फ आधी रकम यानी 2.2 लाख रुपये देने का आदेश दिया। इस फैसले के खिलाफ मृतक के स्वजन ने हाई कोर्ट में अपील की, जिनकी ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता अवधेश सिंह भदौरिया ने दलील दी कि सिर्फ लाइसेंस न होना, लापरवाही का सबूत नहीं होता। जब तक बीमा कंपनी यह साबित न कर दे कि मृतक तेज या गलत तरीके से वाहन चला रहा था।

एयरपोर्ट को RDX से उड़ाने की धमकी, 8 दिन में दूसरी बार मिला ईमेल

जबलपुर। जबलपुर एयरपोर्ट को एक बार फिर आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली है। इस बार भी मेल के जरिए यह धमकी एयरपोर्ट प्रबंधन तक पहुंची। आठ दिन पहले भी ऐसी ही धमकी मिली थी, लेकिन जांच के बाद सबकुछ फर्जी निकला था।

जानकारी के अनुसार, रविवार को भेजे गए ईमेल में लिखा था कि पवित्र मोहर्रम ब्लास्ट, जबलपुर एयरपोर्ट में चार आरडीएक्स आधारित आईईडी रखा हुआ है। सभी यात्रियों को बाहर निकाल लिया जाए। इसके बाद एयरपोर्ट प्रबंधन ने बीडीडीएस, पुलिस और सीआइएसएफ के जरिए पूरे एयरपोर्ट, विमानों और परिसर की जांच की।हालांकि जांच में किसी भी प्रकार का विस्फोटक नहीं मिला।

सोमवार को मामले की रिपोर्ट एयरपोर्ट प्रबंधन ने खमरिया थाने में दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार एयरपोर्ट डायरेक्टर के ईमेल पर रविवार सुबह 8 बजकर 43 मिनट पर यह ईमेल पहुंचा था। ईमेल इमाम हुसैन अली नाम की आउटलुक आइडी से भेजा गया था। ईमेल मिलने के बाद एयरपोर्ट की बारीकी से जांच कराई गई। कहा जा रहा है कि इस तरह का ईमेल 41 एयरपोर्ट में भेजा गया है।इनके पास है आरडीएक्स

ईमेल में लिखा था कि 10 से 14 साल की उम्र के यात्री एम गुनासेकरन, निथि, जीवा सगतम, वैश्यु, सेंथिल वेल, गुजालाम्बल, माइनर, नैनिका, कोवन शिवदास और सुमी के पास आरडीएक्स है। आरडीएक्स 800 बेस फ्यूज को जानबूझकर बहुत कम मात्रा में डोप किया गया है ताकि कम प्रभाव और नुकसान कम हो। एयरपोर्ट प्रबंधन ने सभी विमान कंपनियों में उस दिन यात्रा करने वालों की जानकारी बुलाई तो इस नाम के यात्री नहीं मिले।

29 जून की सुबह 10 बजकर 18 मिनट पर एयरपोर्ट के आधिकारिक ईमेल एड्रेस पर एक मेल पहुंचा था। इसमें लिखा था कि नमस्ते, एयरपोर्ट के आस-पास रखे बैग पैक में शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण छिपे हुए हैं। आपको इमारतों को तुरंत खाली करना होगा। जल्दी करना होगा, नहीं तो अंदर के लोग मारे जाएंगे, अपने हाथ-पैर खो देंगे। इस आतंकी हमले के पीछे हम रोडकिल और क्यों नाम के संगठन हैं। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर सरोजनी टोप्पो, थाना प्रभारी, खमरिया का कहना है कि एक धमकी भरा ईमेल मिला था। इस मेल के बाद प्रबंधन ने सभी सुरक्षा उपायों पर अमल किया और जांच करवाई। कहीं भी कुछ नहीं मिला। इस मामले की खमरिया थाने में सूचना दी गई।थाना प्रभारी ने बताया कि आरआर पांडे, डायरेक्टर, एयरपोर्ट एयरपोर्ट प्रबंधन को एक ईमेल पहुंचा था। इसमें एयरपोर्ट में आरडीएक्स आइईडी रखा होने की बात का जिक्र था।

खरगोन में 5 बोरी खाद के लिए किसान कर रहे रतजगा, टोकन मिलने के बाद भी तीन दिन का इंतजार

खरगोन। खरगोन जिले में खाद के लिए किसानों की मशक्कत जारी है। महज 3 से 5 बोरी सरकारी दर पर खाद खरीदी के लिए किसान रतजगा कर रहे है, इसके बाद भी उन्हें केवल टोकन मिल रहा है। टोकन के बाद खाद लेने के लिए दो से तीन दिन का इंतजार बना हुआ है।

शहर के उमरखली रोड़ स्थित विपणन केंद्र पर की गई खाद बिक्री व्यवस्था के दौरान बुधवार को उस वक्त हंगामें की स्थिति बनी, जब कोई एक दिन पहले तो कोई आधी रात से कतार में लगा था।बिक्री काउंटर खुलने पर कर्मचारियों ने यूरिया के बजाय अन्य खाद उपलब्ध होने की सूचना दी। इस पर किसान भड़क गए और बिक्री केंद्र से करीब 1 किमी दूर बिस्टान नाका नारेबाजी करते पहुंचे।यहां चितौड़गढ़-भुसावल हाइवे पर चक्काजाम प्रदर्शन शुरू कर दिया। हाइवे पर चल रहे प्रदर्शन के चलते मार्ग के दोनों ओर सेकड़ो वाहनों की कतारें लग गई। सूचना पर पहुंचे पुलिस और कृषि अधिकारियों ने किसानों को समझाइश दी लेकिन किसान यूरिया देने की मांग पर अड़े रहे।

इधर बड़वानी के सेंधवा में सहकारी खाद वितरण केंद्र पर हंगामा

बड़वानी जिले के सेंधवा में हजारों किसानों ने अपने खेतों में अनाज की बनी कर दी है, लेकिन अब खाद की किल्लत के कारण किसान परेशान हो रहे हैं। सेंधवा के समीप सहकारी खाद्य वितरण केंद्र पर लंबी-लंबी लाइन देखी जा सकती है। कई घंटे इंतजार के बाद भी सफलता नहीं मिल रही है। यहां किसानों को ना तो पीने का पानी उपलब्ध है और ना ही वर्षा से बचने के लिए कोई व्यवस्था अन्नदाता नाराज है। लेकिन अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं भारतीय किसान संघ द्वारा भी पूरे मामले को लेकर नाराजगी जाहिर की गई है।

किसान संघ के अध्यक्ष निलेश शर्मा ने कहा कि वितरण केंद्र पर पिछले दो दिन से पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है, ऐसा नहीं होना चाहिए। खाद की किल्लत किसानों के लिए बड़ी दिक्कत लेकर आई है अब तो उन्हें आठ दिन का समय दे रहे हैं। यदि समय पर खाद नहीं मिली तो किसानों की फसलों को नुकसान हो सकता है। खाद वितरण केंद्र पर सिर्फ एक ही मशीन से काम हो रहा है यहां मशीनों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए।

भारतीय किसान संघ के नीलेश शर्मा, संभागीय सदस्य मंसाराम पंचोली, बृजमोहन शास्त्री ने कहा कि किसानों ने बताया कि अधिकारी दोपहर 12 बजे से यूरिया खाद का वितरण शुरू करते हैं और चार बजे बंद कर देते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक वितरण किया जाना चाहिए। देर रात सही किस लाइन में लग जाते हैं। यहां ना तो पीने की पानी की उचित व्यवस्था है। यूरिया खाद के नगद वितरण केंद्र की संख्या बढ़ाना जरूरी हो गया है।

नायब तहसीलदार से हुई चर्चा, समस्या बताईमंगलवार शाम को खाद वितरण केंद्र पर अनेक गांव के किसानों ने नायब तहसीलदार जीएस गिरवाल को समस्या बताते हुए नाराजगी जाहिर की। उन्होंने मशीनों की संख्या बढ़ाने, पेयजल की व्यवस्था आदि की मांग की। किसान संघ ने कहा कि अधिकारी किसानों की शुद्ध नहीं ले रहे हैं और अन्नदाता परेशान हो रहे है।

देवी अहिल्या श्रमिक कामगार गृह निर्माण सहकारी संस्था की वरियता सूची करें जल्द फाइनल

आमजन से रुबरू होकर उनकी सुनी समस्याएं- किया उनका निराकरण

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिये है कि देवी अहिल्या श्रमिक कामगार गृह निर्माण सहकारी संस्था के सदस्यों की पात्रता और अपात्रता का निर्धारण कर वरियता सूची जल्द फाइनल की जाये। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देशित किया है कि इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर पूर्ण करें। कलेक्टर श्री सिंह से आज उक्त संस्था से संबंधित सदस्य जनसुनवाई में मिले थे और अपनी समस्या बताई तथा जल्द से जल्द संस्था की वरियता सूची प्रकाशित करवाने का आग्रह किया।

कलेक्टर कार्यालय में आज जनसुनवाई सम्पन्न हुई। इसमें भूमि और प्लॉट संबंधी आवेदन भी बड़ी संख्या में आये। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि भू-माफियाओं के विरुद्ध इंदौर में लगातार कार्यवाही की जा रही है। अनियमितताएं और प्लॉट धारकों के साथ धोखाधड़ी करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। उन्होंने अनेक मामलों में दूरभाष पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर कार्यवाही के निर्देश दिये। जनसुनवाई में उन्होंने नागरिकों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका संवेदनशीलता के साथ हाथों-हाथ निराकरण किया। ऐसी समस्याएं जो मौके पर निराकृत नहीं हो सकी, उनके निराकरण के लिए समय-सीमा तय की गई।

जनसुनवाई में आवास, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चेक बाउंस, निजी भूमि पर अतिक्रमण, बीमार व्यक्ति को आर्थिक सहायता आदि संबंध में आवेदन आयें। जनसुनवाई में प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। शेष प्रकरणों को तय समय-सीमा में निराकृत करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ ही जरूरतमंदों को इलाज, शिक्षा एवं रोजगार सहायता भी प्रदान की गई। निर्देश दिए गये कि जो प्रकरण मौके पर निराकृत नहीं हो सकते, उन्हें सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कर, समय-सीमा में सकारात्मक समाधान किया जाए। जनसुनवाई में आए हर आवेदन का फॉलोअप सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि किसी भी आवेदक को दोबारा परेशानी का सामना न करना पड़े। त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों एवं मध्यस्थता केंद्रों को प्रेषित किए गए है ताकि निर्धारित समय-सीमा में इनका निराकरण हो सकें। जनसुनवाई में आज कलेक्टर कार्यालय में अपर कलेक्टरों और अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा आवेदकों की समस्याओं को सुना गया और उनका निराकरण किया गया।

इंदौर में कोरोना से तीन दिन में तीन मौतें, गंभीर बीमारी से पीड़ित थे मरीज

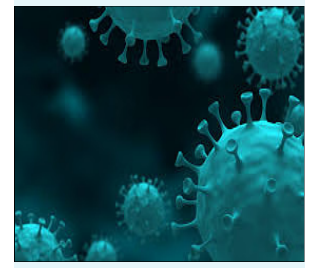

इंदौर। कोरोना के लगातार मामले आ रहे है। तीन दिन में लगातार तीन मौतें हो गई है। तीनों ही महिलाएं है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार तीनों मरीज गंभीर बीमारी से पीड़ित थी।कोरोना के कारण अब तक चार जानें जा चुकी हैं।

सोमवार को लसुड़िया क्षेत्र में कोरोना संक्रमित महिला की मौत हो गई थी। वह कैंसर की बीमारी से पीड़ित थी, जबकि मंगलवार को भी एक महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। वह भी पहले से अस्पताल में भर्ती थी। डाक्टरों ने कोरोना की जांच कराई तो पॉजिटिव आई। इससे पहले भी एक महिला की मौत हो चुकी है। अब तक इंदौर में कोरोना के 187 मरीज है। जिनमें 12 एक्टिव मरीज है। सभी घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे है। स्वास्थ्य विभाग में अभी डिस्पेंसरी में कोरोना की जांचों की व्यवस्था नहीं की है। अभी निजी लैबों में जांच हो रही है।

सोमवार को एक कोरोना संक्रमित मरीज मिला। सर्दी जुकाम की शिकायत के बाद उसकी कोरोना जांच कराई गई थी। वह फिलहाल ठीक है। डाक्टरों का कहना है कि फिलहाल जो कोरोना के मरीज मिल रहे है। उनमें ज्यादा गंभीर लक्षण नहीं मिल रहे है, लेकिन जो पहले से बीमार है या उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है। उन्हें कोरोना के कारण नुकसान पहुंच रहा है।

शासकीय शालाओं में होगा शैक्षिक ओलंपियाड

इंदौर। प्रदेश के समस्त शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 2 से 8 के विद्यार्थियों को प्रदेश, देश और विश्व के सांस्कृतिक, भौगोलिक ऐतिहासिक परिदृश्य, समसामयिक सामान्य ज्ञान तथा हिन्दी, इंग्लिश, विज्ञान और गणित विषयों से जोड़ने के लिये मंच क्विज प्रतियोगिता ओलंपियाड का आयोजन इस वर्ष दो चरणों में जन शिक्षा केन्द्र और जिलास्तर पर किया जा रहा है। इस वर्ष जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय आयोजन सितंबर और जिला स्तरीय आयोजन नवंबर माह में होगा। ओलंपियाड में सहभागिता के लिये विद्यार्थी शिक्षकों के सहयोग से ऑनलाइन पंजीयन ह्ह्वद्वद्वश्च पोर्टल पर 30 जुलाई तक कर सकेंगे।

इस वर्ष ओलंपियाड में कक्षा दूसरी से लेकर 8वीं तक प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थी ओएमआर शीट पर प्रश्न हल करेंगे। इस व्यवस्था से बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये प्रारंभिक काल से अनुभव प्राप्त होगा। कक्षा 2 और 3 के लिये इंग्लिश, हिन्दी और गणित, कक्षा 4 और 5 के लिए इंग्लिश, हिन्दी, गणित एवं पर्यावरण विषय पर और कक्षा 6, 7 और 8 के लिए हिन्दी, संस्कृत, इंग्लिश, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान विषय में ओलंपियाड प्रतियोगिता होगी। ओलंपियाड के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने विस्तृत दिशा-निर्देश जिला शिक्षा केन्द्र और शालाओं को प्रेषित किए है।

रेलवे अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य तत्काल चालू करें: मंत्री श्री सिलावट

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट की अध्यक्षता में सिंगापुर टाउनशिप रेलवे अंडर ब्रिज को लेकर बैठक आयोजित

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की अध्यक्षता में सिंगापुर टाउनशिप रेलवे अंडर ब्रिज को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, श्री अभय राजगांवकर, अधीक्षण यंत्री श्री डीआर लोधी, विजय नगर एसीपी श्री आदित्य पटले, अनुविभागीय अधिकारी सांवेर श्री घनश्याम धनगर, अनुविभागीय अधिकारी जूनी इंदौर के श्री प्रदीप सोनी, एसीपी ट्राफिक श्री मनोज खत्री, लसूड़िया थाना प्रभारी श्री तारेश कुमार सोनी सहित रेलवे, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने रेलवे अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सिंगापुर टाउनशिप के पास स्थित रेलवे अंडर ब्रिज के पास ट्रैफिक समस्याएं आ रही है, इसे देखते हुए समीप बन रहे नवीन अंडर पास के निर्माण कार्य को तत्काल चालू करें। यह निर्माण कार्य वर्ष 2018 से बन रहा, किन्तु अभी तक तैयार नहीं होने पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी से दूरभाष पर चर्चा कर इस कार्य को तुरंत चालू करने के निर्देश दिए। जिस पर रेलवे अधिकारी ने उक्त कार्य को तुरंत चालू करने का आश्वासन दिया। मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी मौके पर जाकर देखे और सतत मॉनिटरिंग करें, ताकि बारिश के मौसम में स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। रेलवे, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस आदि विभाग समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि नागरिकों को परेशानियां न उठाना पड़े।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पहुंचे पार्श्व कल्प तरु धाम, धर्मलाभ लेनेवालो का ताता

इंदौर। आज के भाग दौड़ भरे भौतिकतावादी जीवन में सुख संपदा की लालसा हर किसी को रहती ही है, जिसमें न चाहकर भी आ तनाव को पाल पास रहे है,तप साधना और ध्यान के लिए चातुर्मास का समय श्रेष्ठ माना गया है, इसमें आराधना करने से जीवन की झंझावटें तो दूर होती ही है एकाग्रता और सकारात्मक प्रभाव ही जीवन में आता है। बुधवार से चातुर्मास की शुरुआत होगी, प्रतिदिन सुबह आशीर्वाद वचन होंगे।

यह विचार पश्चिम क्षेत्र के हाई लिंक स्थित पार्श्व कल्पतरु धाम में मातृ हृदया अमित गुणा श्रीजी ने धर्म लाभ लेने वाले श्वेतांबर जैन समाज जनों को चातुर्मास की महत्ता बताते हुए व्यक्त किए । पार्श्वकल्प तरुधाम अमित आराधना भवन पर नगरी प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पहुंचे, उन्होंने धर्म लाभ लिया , श्री विजयवर्गीय ने कहा कि यहां रत्न प्रतिमाओ का अद्भुत मंदिर है, यह अमित आराधना भवन भी साधकों के लिए उपयोगी रहेगा।

अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

इंदौर। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण करने के बाद भोपाल के पालिका भवन स्थित संचालनालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की समीक्षा की। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव श्री संजय शुक्ला भी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव की ली जानकारी- अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर 11 जुलाई को होने वाले एमपी ग्रोथ कॉन्क्लेव की तैयारियों की जानकारी ली। प्रदेश के शहरी क्षेत्र के विकास में यह कॉन्क्लेव बहुत महत्वपूर्ण है। आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री संकेत भोंडवे ने विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी।

अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने निर्देश दिए कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग से संबंधित कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। योजनाओं में प्रगति लाने के लिये प्रत्येक सोमवार को विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये। बैठक में विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

आकाशीय बिजली से संभावित दुर्घटनाओं से स्वयं को बचायें

इंदौर। आकाशीय बिजली यानि वज्रपात से बचाव के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जन समुदाय के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आम-जन इन निर्देशों को अपनाकर आकाशीय बिजली से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है। आकाशीय बिजली या वज्रपात से आउटडोर यथा बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतों, औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं। आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है और यह मानसून के पहले जून-जुलाई में अधिक होती है। दोपहर और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती हैं।

जारी निर्देश में कहा गया है कि ऊंची नुकीली संरचनाओं, पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। धातु का मचान, धातु के उपकरण, पानी के पाइप या प्लम्बिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें। ऊंची अधोसंरचनाएं, पहाड़ी टेकरी, बिजली के खंभे, टेलीफोन के खंभे, ऊंचा पेड़, छत, मचान, धातु की सीढ़ी, बड़े मशीन जैसे बुलडोजर, क्रेन और ट्रैक्टर जैसे वाहनों से दूर रहें। विस्फोट संभावित क्षेत्रों तथा उद्योग स्थलों से तत्काल सुरक्षित स्थल की ओर प्रस्थान करें। धातु युक्त वाहनों से विद्युत प्रवाह संभावित होने के कारण तुरंत सुरक्षित स्थलों की ओर जाएं। सड़क पर होने पर तुरंत किसी भवन के अंदर शरण लें। आकाशीय बिजली के गर्जन सुनाई देने के बाद कम से कम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर बने रहें।

घर और कार्यस्थल पर सुरक्षात्मक उपाय अपनाये- बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संपर्क से दूरी बनाए रखें। इन्हें पावर प्लग से पृथक करें। बिजली का प्रवाह किसी भी दीवार, फर्श, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, रेडियो और टेलीविजन रिसेप्शन सिस्टम तारों के माध्यम से हो सकता है। घर, कार्यालय में अर्थिंग सुनिश्चित करें। खुले हुए खिड़की, दरवाजे, धातु के पाइप इत्यादि के पास खड़े नहीं रहें। पानी के धातु पाइप से बिजली प्रवाहित हो सकती है।

प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए विशेष कार्य योजना तैयार करने के निर्देश भी दिये गये हैं। विभाग द्वारा चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं।

जय श्री महाकाल ...

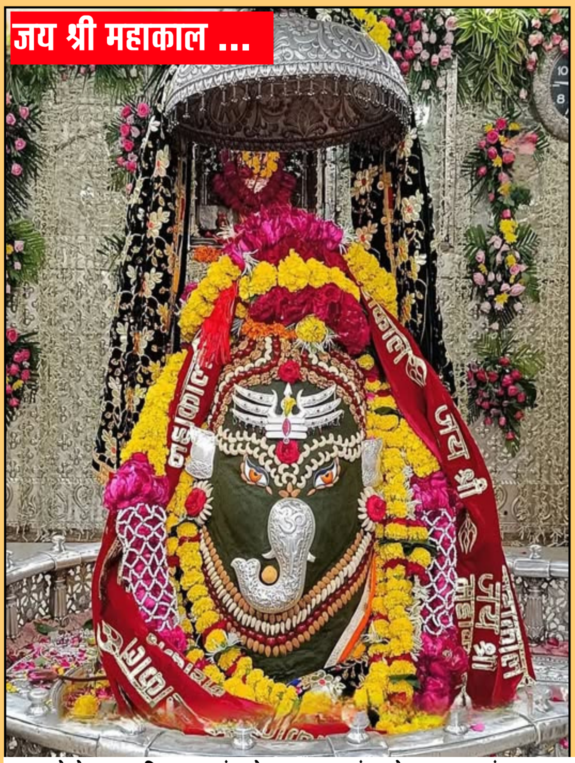

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कलेक्टर श्री सिंह ने बड़नगर विकासखंड का भ्रमण किया

उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को बड़नगर विकासखंड का सघन भ्रमण किया। कलेक्टर ने सर्वप्रथम बड़नगर के नागझिरी ग्राम पहुंचकर वहां के प्रगतिशील किसान श्री गोपाल डोडिया के फार्म में कृषि विभाग के सहयोग से चलाई जा रही गतिविधियों का अवलोकन किया।

कृषक श्री डोडिया के द्वारा प्राकृतिक रूप से विभिन्न तरह की जीवामृत , बीजामृत , ब्रह्मास्त्र आदि दवाइयां बनाकर खेती की जा रही है । कृषक के द्वारा विगत 9 से 10 वर्षों से पूर्णतः प्राकृतिक खेती की जा रही है। उनके द्वारा अपने खेत पर गन्ना ,समस्त अनाज,फल एवं सब्जी की खेती की जाती है। किसान द्वारा स्वयं ही कृषि यंत्र भी अपने उपयोग हेतु बनाए जाते हैं। दूसरे क्षेत्र के किसान भी इनके यहां भ्रमण कर नई-नई जानकारी प्राप्त करते हैं।

कलेक्टर के द्वारा निर्देश दिए गए कि श्री डोडिया के फार्म में आसपास के क्षेत्र एवं अन्य जिलों के किसानों को भ्रमण करा कर प्रेरित किया जाए एवं प्रशिक्षण भी इसी स्थल पर आयोजित करें । श्री डोडिया की कृषि गतिविधियों की छोटी-छोटी वीडीओ बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित करें, ताकि किसान अधिक से अधिक लाभ उठा सकें।

कलेक्टर श्री सिंह ने शासकीय हाई स्कूल का निरीक्षण किया। वहां नियमित रूप से साफ सफाई करवाएं जाने के निर्देश दिए। प्राचार्य के कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर श्री सिंह ने स्टाफ और विद्यार्थियों के दैनिक उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया ।

विद्यालय के प्राचार्य श्री मधुसूदन गौड़ ने जानकारी दी कि विद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया अभी चल रही है। विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति अच्छी है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि स्टाफ में यदि किसी को अवकाश के लिए जाना हो तो 10 दिन पहले आवेदन किया जाए। अवकाश स्वीकृत करने का अधिकार सिर्फ संकुल प्राचार्य को है, विद्यालय के प्राचार्य को नहीं। कलेक्टर ने कहा कि प्रवेश के दौरान बच्चों से स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट अनावश्यक रूप से ना मांगा जाए, प्रवेश की संख्या को और बढाए जाने के निर्देश दिए गए। विद्यालय में शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार अध्यापन करवाए जाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कक्षा में जाकर बच्चों से पूछा कि उन्हें समय पर किताबें, गणवेश मिल रहे हैं अथवा नहीं। उनकी अगली बोर्ड एग्जाम कब है। सभी बच्चे यूनिफॉर्म में आएं । कलेक्टर ने सभी बच्चों से कहा वे नियमित रूप से पढ़ाई करें व नियमित रुप से स्कूल आए और शिक्षकों की बात का अनुसरण करें । प्रतिदिन 4 से 6 घंटे पढ़ाई करें। दसवीं बोर्ड के विद्यार्थियों से कहा कि वे पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र से प्रेक्टिस करें और परीक्षा के अनुसार ही उन्हें हल करने का प्रयास करें। पूरे वर्ष भर पढ़ाई करें ,परीक्षा 3 घंटे की होती है ।

श्री शिरडी साईबाबा मंदिर पर आज मनेगा गुरुपूर्णिमा महोत्सव, निकलेगी शोभायात्रा

उज्जैन। चौबिस खम्बा मंदिर के पीछे स्थित श्री शिरडी साईबाबा मंदिर पर आज 10 जुलाई गुरूवार को गुरुपूर्णिमा महापूजन एवं रसाभिषेक प्रातः 9 बजे से 11.30 बजे तक होगा। महाआरती एवं प्रसादी वितरण दोपहर 12 बजे होगा। आज 10 जुलाई को ही शोभायात्रा सायं 5.30 बजे घासमण्डी चौराहे से प्रारंभ होगी जो शहीदपार्क, टॉवर, चामुण्डा माता, देवासगेट, मालीपुरा, दौलतगंज, नईसड़क, कंठाल, बड़ा सराफा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार, गुदरी चौराहे से शिरडी साई बाबा मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा के पश्चात महाआरती होगी।

39वें पांच दिवसीय गुरुपूर्णिमा महोत्सव एवं श्री साई सच्चरित्र पारायण में 9 जुलाई बुधवार को रात्रि में सत्यनारायण भगवान की कथा हुई साथ ही अखण्ड साई नाम धुन एवं भजन कीर्तन रात्रि 11 से प्रातः 4 बजे तक हुआ। 11 जुलाई शुक्रवार को सदगुरू श्री साई नरेशानंद जी महाराज (शिरडीवासी) द्वारा आशीर्वचन सायं 6 से 8 बजे तक एवं साई सच्चरित्र पारायण करने वालें साईभक्तों एवं संस्था के वयोवृध्द साई भक्तों का सम्मान एवं भजन संध्या महाप्रसादी भण्डारा सायं 6 बजे से श्री राठौर समाज धर्मशाला, कार्तिक चौक पर होगा।

गुरुपूर्णिमा पर लगेगा श्री साई मेडिकल कैंप श्री साईधाम समिति द्वारा 11 जुलाई शुक्रवार दोपहर 12 से सायं 5 बजे तक राठौर समाज धर्मशाला कार्तिक चौक में श्री साई मेडिकल कैंप आयोजित किया जाएगा। जिसमें बिना ऑपरेशन एवं बिना दवाईयों के सुजोक, ऑरिक्युलर एवं कलर थैरेपी से ट्रीटमेंट किया जायेगा। शिविर में डॉ. प्रज्ञा मोघे द्वारा मरीजों का निःशुल्क उपचार किया जायेगा। शिविर में घुटनों का दर्द, गर्दन का दर्द, गठिया, सायटिका, स्लिप डिस्क माँसपेशियों, कंधे का दर्द, नींद न आना, अपचन, शुगर, ब्लड प्रेशर, शरीर में सूजन, बच्चों के स्वास्थ्य की समस्याएँ, मानसिक बैचेनी, पित्त दोष आदि।

कर्म सेवा धर्म सेवा के 12वें स्थापना दिवस पर किया वृहद पौधारोपण

उज्जैन। कर्म सेवा धर्म सेवा संस्था के सदस्यों द्वारा संस्था के 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष अनुसार पर्यावरण की सुरक्षा व प्राकृतिक सौंदर्य बढ़ाने के पुनीत उद्देश्य के साथ इस वर्ष भी महाकाल सांस्कृतिक वन विक्रम विश्वविद्यालय परिसर में भव्य पौधारोपण किया गया।

त्रिवेणी संगम पर हुआ कावड़ पूजन, कल निकलेगी समर्पण कावड़ यात्रा

उज्जैन। अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर ध्यानयोगी श्री उत्तमस्वामीजी महाराज के सानिध्य में 11 जुलाई को निकलने वाली समर्पण कावड़ यात्रा के लिए कावड़ का पूजन 9 जुलाई की शाम को त्रिवेणी संगम पर हुआ। राम भागवत के अनुसार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा द्वारा कावड़ पूजन किया। इस दौरान ओम जैन, विजय जायसवाल, अशोकसिंह गेहलोत, मोहन गुरू, तुषार पंवार, संतोष सिंह चौहान, दीपक सोलंकी, ज्ञानेश सोनी, राजेश सेठी आदि उपस्थित थे। कावड़ का पूजन के साथ ही समर्पण कावड़ यात्रा की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ त्रिवेणी संगम पर किया गया। राम भागवत ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्रावण मास में 11 जुलाई को निकलने वाली कावड़ यात्रा में 11,000 कावड़ यात्रियों के शामिल होने का अनुमान है।

रौनक गुर्जर के खिलाफ दर्ज प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग, वर्ग विशेष के दबाव में की गई कार्रवाई

उज्जैन। शहर में बीते कुछ वर्षों में मातृ सेवा, पितृ सेवा, धर्म सेवा, जन सेवा के पर्याय बन चुके रौनक गुर्जर ने पूर्व में झूठे प्रकरणों के चलते अपराध दर्ज होने के बावजूद रौनक गुर्जर ने हार नहीं मानी और न्याय के लिये संघर्ष किया। बीते 7 वर्षों से रौनक गुर्जर के खिलाफ कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ। लेकिन यह सनातनी कर्म और पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान का जमीन पर झंडा बनाकर उसे कुचलने और पाकिस्तानी पीएम का पुतला जलाने से शहर के अशांत कट्टरवादी बौखला गये हैं। इसी बौखलाहट के परिणामस्वरूप एक समुदाय विशेष के कट्टरवादी प्रभावशाली व्यक्ति ने अप अपने दबाव, प्रभाव का दुरुपयोग कर कोई भूमिका न होने के बावजूद रौनक

गुर्जर के खिलाफ पुलिस थाना खाराकुंआ उज्जैन में 24 जून को बिना जांच के असत्य प्रकरण दर्ज करा दिया। पत्रकार वार्ता में रूबरू होते हुए स्वयं रौनक गुर्जर ने संत समुदाय साथ मीडिया जगत को अवगत कराया कि पूर्व में नमन गुर्जर द्वारा उसके साथ हुई धोखाधड़ी की शिकायत पुलिस को करने के पश्चात नमन की शिकायत पर कायमी नहीं हुई। बल्कि जहर उगलने वाले को बचाने के लिए झूठा प्रकरण दर्ज करा दिया। रौनक गुर्जर ने अपना पक्ष प्रस्तुत कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस अधीक्षक से आग्रह है कि वे मेरे विरुद्ध कोई भी असत्य शिकायत होने पर उसकी निष्पक्ष जांच हेतु संबंधित थानों को ताकिद करने की कृपा करें।

लॉन्चिंग एन.सी.सी. कैंप का शुभारंभ, 600 से अधिक कैडेट्स कर रहे सहभागिता

एन.सी.सी. के महत्व, फौजी अनुशासन और तौर-तरीकों की जानकारी दी

उज्जैन। लॉन्चिंग एन.सी.सी. कैंप का भव्य शुभारंभ कैम्प कमांडैंट कर्नल जी. पी. चौधरी (सेना मेडल) द्वारा किया गया।

इस मौके पर कैम्प कमांडैंट कर्नल जी. पी. चौधरी (सेना मेडल) ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए अपने उद्बोधन में कैम्प की रूपरेखा, एन.सी.सी. के महत्व तथा फौजी अनुशासन और तौर-तरीकों की जानकारी दी।

उन्होंने विशेष रूप से कैडेट्स को देशसेवा, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना के महत्व को बताया। एमआईटी महाविद्यालय, उज्जैन में आयोजित इस कैम्प में 600 से अधिक कैडेट्स की सक्रिय सहभागिता की जा रही है। यह कैम्प 10 म. प्र. बटालियन, उज्जैन द्वारा ग्रुप हेडक्वार्टर इंदौर के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित टी.एस.सी. (थल सैनिक कैंप) के लिए मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ डायरेक्टोरेट की टीम तैयार करना तथा योग्य कैडेट्स का चयन करना है। इस अवसर पर एम आई टी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूट्स के ग्रुप डायरेक्टर मुकेश शुक्ला, संस्थान के डीन एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. के.वी. शर्मा, लैफ्टिनेंट कर्नल विनीत कुमार, मेजर डॉ. मोहन निमोले, कैप्टन डॉ. कनिया मेड़ा, कैप्टन डॉ. सरोज रत्नाकर, लैफ्टिनेंट मदन सोलंकी, लैफ्टिनेंट सौरभ मिश्रा, सेकेंड ऑफिसर दीपेश तालिब, थर्ड ऑफिसर आरती, जितेन्द्र पंचोली, एस.एम. सुबेदार बलविंदर तथा सुबेदार दलजीत सिंह सहित 600 कैडेट्स से अधिक एन.सी.सी. कैडेट्स उपस्थित थे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com